# उसने हमें भविष्यवक्ता दिए

## अध्ययन निर्देशिका

अध्याय दो

# एक भविष्यवक्ता का कार्य

For videos, manuscripts, and other resources, visit Third Millennium Ministries at thirdmill.org.

# विषय-वस्तु

इस अध्याय को कैसे इस्तेमाल करें और अध्ययन निर्देशिका....3

नोट्स....4

I. परिचय (0:27)....4

II. कार्य के नाम (1:09)....4

A. प्राथमिक शब्द (1:57)....4

B. सहायक शब्द (4:04)....5

III. कार्य परिवर्तन (11:20)....6

A. राजशाही से पूर्व (12:15)....6

B. राजशाही (13:16)....7

C. निर्वासन (16:31)....8

D. निर्वासन के पश्चात् (17:47)....8

IV. कार्य अपेक्षाएँ (19:20)....9

A. लोकप्रिय नमूने (19:51)....9

*1.* तान्त्रिक/शामन (20:14)....*9*

*2.* ज्योतिषी (20:46)....*9*

B. वाचा का नमूना (21:32)....10

*1.* अतीत के विचार (22:04)....*10*

*2.* समकालीन विचार (22:51)....*10*

V. उपसंहार (29:22)....11

पुनर्समीक्षा के प्रश्न....12

उपयोग के प्रश्न....17


© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

## इस अध्याय को कैसे इस्तेमाल करें और अध्ययन निर्देशिका

इस अध्ययन निर्देशिका को इसके साथ जुड़े वीडियो अध्याय के साथ इस्तेमाल करने के लिए तैयार किया गया है। यदि आपके पास वीडियो नहीं है तो भी यह अध्याय के ऑडियो और/या लेख रूप के साथ कार्य करेगा। इसके साथ-साथ अध्याय और अध्ययन निर्देशिका की रचना सामूहिक अध्ययन में इस्तेमाल किए जाने के लिए की गई है, परन्तु यदि जरुरत हो तो उनका इस्तेमाल व्यक्तिगत अध्ययन के लिए भी किया जा सकता है।

---

- **इससे पहले कि आप वीडियो देखें**
    - **तैयारी करें** — किसी भी बताए गए पाठन को पूरा करें।
    - **देखने की समय-सारणी बनाएं** — अध्ययन निर्देशिका के नोट्स के भाग में अध्याय को ऐसे भागों में विभाजित किया गया है जो वीडियो के अनुसार हैं। कोष्ठक में दिए गए समय कोड्स का इस्तेमाल करते हुए निर्धारित करें कि आपको देखने के सत्र को कहाँ शुरू करना है और कहाँ समाप्त। IIIM अध्याय अधिकाधिक रूप में जानकारी से भरे हुए हैं, इसलिए आपको समय-सारणी में अंतराल की आवश्यकता भी होगी। मुख्य विभाजनों पर अंतराल रखे जाने चाहिए।
- **जब आप अध्याय को देख रहे हों**
    - **नोट्स लिखें** — सम्पूर्ण जानकारी में आपके मार्गदर्शन के लिए अध्ययन निर्देशिका के नोट्स के भाग में अध्याय की आधारभूत रूपरेखा रहती है, इसमें हर भाग के आरंभ के समय कोड्स और मुख्य बातें भी रहती हैं। अधिकांश मुख्य विचार पहले ही बता दिए गए हैं, परन्तु इनमें अपने नोट्स अवश्य जोड़ें। आपको इसमें सहायक विवरणों को भी जोड़ना चाहिए जो आपको मुख्य विचारों को याद रखने, उनका वर्णन करने और बचाव करने में सहायता करेंगे।
    - **टिप्पणियों और प्रश्नों को लिखें —** जब आप वीडियो को देखते हैं तो जो आप सीख रहे हैं उसके बारे में आपके पास टिप्पणियां और/या प्रश्न होंगे। अपनी टिप्पणियों और प्रश्नों को लिखने के लिए इस रिक्त स्थान का प्रयोग करें ताकि आप देखने के सत्र के बाद समूह के साथ इन्हें बाँट सकें।
    - **अध्याय के कुछ हिस्सों को रोकें/पुनः चलाएँ** — अतिरिक्त नोट्स को लिखने, मुश्किल भावों की पुनः समीक्षा के लिए या रुचि की बातों की चर्चा करने के लिए वीडियो के कुछ हिस्सों को रोकना और पुनः चलाना सहायक होगा।
- **वीडियो को देखने के बाद**
    - पुनर्समीक्षा के प्रश्नों को पूरा करें — पुनर्समीक्षा के प्रश्न अध्याय की मूलभूत विषय-वस्तु पर निर्भर होते हैं। आप दिए गए स्थान पर पुनर्समीक्षा के प्रश्नों का उत्तर दें। ये प्रश्न सामूहिक रूप में नहीं बल्कि व्यक्तिगत रूप में पूरे किए जाने चाहिए।
    - उपयोग प्रश्नों के उत्तर दें या उन पर चर्चा करें — उपयोग के प्रश्न अध्याय की विषय-वस्तु को मसीही जीवन, धर्मविज्ञान, और सेवकाई से जोड़ने वाले प्रश्न हैं। उपयोग के प्रश्न लिखित सत्रीय कार्यों के रूप में या सामूहिक चर्चा के रूप में उचित हैं। लिखित सत्रीय कार्यों के लिए यह उचित होगा कि उत्तर एक पृष्ठ से अधिक लम्बे न हों।


© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

# नोट्स

## I. परिचय (0:27)

## II. कार्य के नाम (1:09)

### A. प्राथमिक शब्द (1:57)

यूनानी शब्द *प्रोफेटेस* जिससे हमें अंग्रेजी शब्द "प्रोफेट" मिला है, वह एक लचीला शब्द है।

- *फेटेस* से — बोलना या कुछ कहना; और
- *प्रो* से — (1) पहले से बोलना या (2) भविष्यवाणी करना

*प्रोफेटेस* का अस्थाई महत्व हो सकता है

- वह जो पहले से बोलता है
- वह जो भविष्यवाणी करता है

*प्रोफेटेस* का दूसरा महत्व भी हो सकता है

- वह जो बोलता है
- वह जो घोषणा करता है


© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

इब्रानी पुराने नियम में भविष्यवक्ता शब्द का और भी विस्तृत अर्थ था :

- *नबी* — बुलाया हुआ व्यक्ति

## B. सहायक शब्द (4:04)

- *ऐबेद* — सेवक

  भविष्यवक्ता परमेश्वर के राज दरबार में विशेष भूमिका निभाते थे।

- *रोएह* — दर्शी

- *होज़ेह* —अवलोकन करने वाला

  इस्राएल में राजशाही के उद्भव से पहले भविष्यवक्ता दर्शी कहलाते थे।

  भविष्यवक्ताओं को दर्शी कहा जाता था क्योंकि उन्हें स्वर्गीय स्थानों में देखने का सौभाग्य दिया गया था।


© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

- *शोमेर* — पहरेदार, वह जो पहरा देता है

  भविष्यवक्ता अक्सर आने वाले दण्ड और आशीषों पर नजर रखते थे ताकि लोगों को उसके लिए तैयार होने का अवसर मिल सके।

- *मालाक* — सन्देशवाहक

  भविष्यवक्ता परमेश्वर से सन्देश को प्राप्त करते थे और सन्देश को परमेश्वर के लोगों तक पहुँचाते थे।

- *ईश एलोहीम* — परमेश्वर का भक्त

## III. कार्य परिवर्तन (11:20)

### A. राजशाही से पूर्व (12:15)

उस समय के दौरान तुलनात्मक रूप से बहुत कम भविष्यवक्ता थे।


© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

राजशाही से पूर्व की अवधि में *नबी* शब्द का प्रयोग विविध प्रकार के कार्य करने वाले विविध प्रकार के लोगों के लिए किया गया है।

## B. राजशाही (13:16)

बाइबल में इस अवधि के दौरान किसी भी अन्य समय से अधिक भविष्यवक्ता हैं।

परमेश्वर ने भविष्यवक्ताओं को राजाओं के कार्यों पर नजर रखने और यह सुनिश्चित करने का काम सौंप दिया कि वे मूसा की व्यवस्था का पालन करें।

परमेश्वर ने राजाओं और उनके पीछे चलने वाले लोगों की अनाज्ञाकारिता के विरूद्ध गवाही देने के लिए भविष्यवक्ताओं को भेजा।


© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

## C. निर्वासन (16:31)

722 ई.पू. में उत्तरी इस्राएल की राजधानी सामरिया अश्शुरियों से हार गई। और 586 ई.पू. में यरूशलेम बेबीलोन से हार गया।

भविष्यवक्ताओं की गिनती में कमी आई।

भविष्यवक्ता की सेवा बहुत अधिक विविध और अनौपचारिक बन गई।

## D. निर्वासन के पश्चात् (17:47)

भविष्यवाणियों की गिनती तुलनात्मक रूप से कम रही।

भविष्यवक्ता धीरे-धीरे एक अधिक औपचारिक भूमिका की ओर लौटने लगे।


© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

निर्वासन के पश्चात् की सम्पूर्ण अवधि के दौरान भविष्यवक्ताओं ने अगुवों और सामान्य लोगों पर नजर रखी और उन्हें परमेश्वर के प्रति विश्वासयोग्य बने रहने के लिए प्रोत्साहित किया।

## IV. कार्य अपेक्षाएँ (19:20)

### A. लोकप्रिय नमूने (19:51)

व्याख्या के इतिहास के दौरान, यहूदियों और मसीहियों ने समान रूप से भविष्यवक्ताओं की भूमिकाओं को विविध तरीकों से समझा है।

#### 1. तान्त्रिक/शामन (20:14)

बहुत से व्याख्याकारों ने पुराने नियम के भविष्यवक्ताओं की तुलना दूसरी संस्कृतियों के तान्त्रिकों से की है।

#### 2. ज्योतिषी (20:46)

पुराने नियम में भविष्यवक्ताओं के कार्य के बारे में एक और लोकप्रिय विचार यह है कि वे मूलभूत रूप से भावी कहने वाले, या ज्योतिषी थे।


© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

## B. वाचा का नमूना (21:32)

भविष्यवाणी का वर्णन करने के लिए पुराने नियम द्वारा प्रयुक्त सर्वाधिक पूर्ण नमूना वाचा का नमूना है।

### 1. अतीत के विचार (22:04)

वाचा के बारे में अतीत के विचार सफल रहे हैं परन्तु उनमें ऐतिहासिक सन्दर्भ की बहुत कम जानकारी थी।

### 2. समकालीन विचार (22:51)

पुराना नियम इस्राएल के साथ परमेश्वर के संबंध का वर्णन राजनैतिक सन्धियों के रूप में करता है।

समता सन्धियाँ : समान स्तरों वाले देशों के बीच सन्धियाँ।


© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

सुजरेन-वासल सन्धियाँ : बड़े सम्राट और किसी छोटे देश या शहर के छोटे राजा के बीच का अनुबन्ध।

सुजरेन-वासल सन्धियों में सम्राट अपने प्रतिनिधियों या दूतों को विशेष भूमिका देते थे।

प्राचीन मध्य-पूर्व में प्रतिनिधियों का कार्य पुराने नियम के भविष्यवक्ताओं के लिए एक नमूना उपलब्ध करवाता है।

भविष्यवक्ता वे प्रतिनिधि थे जो सिंहासन पर विराजमान महान सुजरेन से संदेशों को प्राप्त करते थे और उन संदेशों को वासल देश, इस्राएल तक पहुँचाते थे।

## V. उपसंहार (29:22)


© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

## पुनर्समीक्षा के प्रश्न

1. किस प्रकार “भविष्यवक्ता” का प्राथमिक शब्द भविष्यवक्ता के कार्य को समझने में हमारी सहायता करता है?

2. किस प्रकार “भविष्यवक्ता” के सहायक शब्द भविष्यवक्ता के कार्य को समझने में हमारी सहायता करते हैं?


© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

3. राजशाही से पूर्व भविष्यवक्ता के कार्य की विशेषताएं क्या थीं?

4. राजशाही के दौरान भविष्यवक्ता के कार्य की विशेषताएं क्या थीं?


© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

5. निर्वासन के दौरान भविष्यवक्ता के कार्य की विशेषताएं क्या थीं?

6. निर्वासन के पश्चात् भविष्यवक्ता के कार्य की विशेषताएं क्या थीं?


© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

7. जब राजशाही का उद्भव हुआ और फिर पतन हुआ तो किन रूपों में भविष्यवाणी प्रमुख और औपचारिक बन गई?

8. उन दो लोकप्रिय तरीकों का वर्णन करें जिनमें बाइबल के व्याख्याकारों ने भविष्यवक्ता के कार्य की व्याख्या की है। इस प्रकार की विचारधारा ने किस प्रकार भविष्यवाणी के प्रति उनकी समझ को प्रभावित किया है?


© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

9. भविष्यवक्ता के कार्य को समझने का “वाचा का नमूना” क्या है? यह नमूना दूसरे नमूनों से अधिक सहायक क्यों है?


© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

# उपयोग के प्रश्न

1. भविष्यवक्ताओं के शीर्षकों का अध्ययन करने के द्वारा भविष्यवक्ता के कार्य के बारे में आपकी समझ किस प्रकार बढ़ी है?

2. यदि हम कल्पना करें कि पुराने नियम के भविष्यवक्ता अन्य संस्कृतियों के तांत्रिकों के समान थे तो उनकी भविष्यवाणियों को समझने में हम किस प्रकार की गलतियाँ करेंगे?

3. प्राचीन मध्य-पूर्वीय संधियाँ किस प्रकार इस्राएल के साथ परमेश्वर के संबंध को समझने में हमारी सहायता करती हैं?

4. किस प्रकार यशायाह 6 एक भविष्यवक्ता की वाचाई भूमिका को दर्शाता है?

5. इस अध्ययन से आपने कौनसी सबसे महत्वपूर्ण बात सीखी है? क्यों?


© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org